अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, गोमती नगर, लखनऊ

पुरस्कार/सम्मान नियमावली

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, स्वायत्तशासी संस्थान, संस्कृति विभाग, उ0प्र0 की ईकाई है। संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है कि देश एवं विदेश के विभिन्न भागों में प्रचलित बौद्ध विधाओं का राष्ट्रीय सन्दर्भ में अध्ययन एवं तत्सम्बन्धी शोध करना तथा बौद्ध तीर्थ स्थलों की सांस्कृतिक महत्व की परम्परागत एवं आधारभूत मान्यताओं, मानवीय मूल्यों एवं कला का संरक्षण करना है। उक्त लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिचर्चा, संगोष्ठी, व्याख्यान, सम्मेलन, सेमिनार, वाद–विवाद, निबन्ध, एवं पेंन्टिग प्रतियोगिता का आयोजन आदि कराना है।

पुरस्कार/सम्मान का उद्देश्य

ख्यातिलब्ध विद्वानों को सम्मानित करना जिन्होंने पालि साहित्य एवं बौद्ध विद्या संस्कृति, परम्परा, साहित्य, दर्शन अध्यात्म आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्यो एवं बौद्ध धर्म संस्कृति एवं शिक्षा के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो, ऐसे विद्वानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है।

क्र0सं0	पुरस्कार/सम्मान	पुरस्कारों की संख्या	सम्मान राशि
1–	पालि साहित्य संवर्धन सम्मान	1	रू0 51,000=00
2–	बौद्ध संस्कृति संवर्धन सम्मान	2	रू0 51,000=00

आवेदन की प्रक्रिया

1. पुरस्कार/सम्मान हेतु विज्ञापन समाचार पत्रों/संस्थान एवं संस्कृति विभाग के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेट फार्म, वेबसाइट आदि के माध्यम से प्रसारित/प्रकाशित किया जायेगा।
2. आवेदक द्वारा सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन निर्धारित प्रारुप पर संस्थान के ई–मेल baudhshodhsansthan@gmail.com पर अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से संस्थान को प्रेषित किया जायेगा।
3. यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना आंशिक अथवा पूर्णरुप से असत्य अथवा भ्रामक पायी जाती है तो आवेदन निरस्त कर दिया जायेगा।
4. निर्धारित अवधि में प्राप्त समस्त आवेदनों/नामंकनों का परीक्षण करते हुये पुरस्कार हेतु योग्य विद्वानों का चयन संस्थान की कार्यकारिणी/ अध्यक्ष द्वारा गठित चयन समिति के द्वारा किया जायेगा।
5. पुरस्कार/सम्मान के सम्बन्ध में संस्थान का निर्णय अन्तिम होगा। संस्थान के द्वारा बिना किसी कारण बताये पूरी प्रक्रिया को स्थगित अथवा निरस्त किया जा सकेगा।
6. आवेदन/नामंकन हेतु अन्तिम तिथि 30 अक्टूबर, 2025 होगी। जिसे अपरिहार्य परिस्थितयों में सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त करते हुये बढाया जा सकेगा। पुरस्कार/सम्मान संस्थान के स्थापना दिवस पर अथवा संस्थान द्वारा निर्धारित किसी अन्य महत्वपूर्ण अवसर पर प्रदान किया जायेगा।